

BSA 2023

Free Sample by Hindi Law Shorts

PART I

CHAPTER I (Preliminary)

Section 1 – Short Title, Application & Commencement

1. यह कानून कहाँ लागू होता है?

नाम है Bharatiya Sakshya Adhiniyam, 2023 (BSA 2023), यह सभी न्यायिक कार्यवाहियों पर लागू होता है। Court-martial पर भी लागू पर affidavit और arbitrator पर लागू नहीं।

आसान उदाहरण

- कोर्ट में गवाह की गवाही = कानून लागू
- पुलिस को दिया गया हलफ़नामा = कानून लागू नहीं
- आर्मी कोर्ट (court-martial) = कानून लागू
- Arbitrator के सामने दी गई बात = कानून लागू नहीं

Conclusion

यह कानून सिर्फ ज्यूडिशियल काम में चलेगा, हर जगह नहीं।

Section 2 – Definitions

2(a) Court

“Court” = सभी जज + मजिस्ट्रेट
Arbitrator को Court नहीं माना जाएगा।

2(b) Conclusive Proof (अंतिम प्रमाण)

जब कानून कह दे कि एक तथ्य साबित हुआ तो दूसरा तथ्य भी मान लिया जाएगा और इसके खिलाफ कोई सबूत नहीं दिया जा सकता।

Example

अगर जन्म प्रमाणपत्र कानूनन "उम्र" का अंतिम प्रमाण है → फिर उम्र को गलत साबित करने की अनुमति नहीं।

2(c) Disproved (अप्रमाणित)

जब कोर्ट को लगे कि यह तथ्य सच नहीं है, या ऐसा सच होने की संभावना बहुत कम है।

Example

A कहता है कि वो रात 10 बजे दिल्ली में नहीं था। CCTV दिखा दे कि A दिल्ली में था → A का दावा disproved।

2(d) Document (दस्तावेज़)

कुछ भी जो लिखा, छापा, फोटो खींचा, रिकॉर्ड किया गया हो। इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड भी document है।

Example

- लिखी हुई चिट्ठी
 - फोटो
 - मैप/प्लान
 - फोन में सेव चैट
 - ईमेल, लोकेशन रिकॉर्ड
- सब document हैं।



2(e) Evidence (सबूत)

सबूत दो प्रकार के:

1. Oral Evidence (मौखिक सबूत)

गवाह द्वारा दिया गया बयान (चाहे इलेक्ट्रॉनिक रूप में हो)

2. Documentary Evidence (दस्तावेजी सबूत)

कागज या इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेज़ जो कोर्ट में पेश किए जा सकें

PART II — Relevancy of Facts

Section 3 — Facts in Issue & Relevant Facts

1. Facts in Issue (विवादित तथ्य)

वो तथ्य जिन्हें साबित करना जरूरी है, जो केस को जीत या हार की तरफ ले जाते हैं।

Example

A पर B की हत्या का केस है:

- क्या A ने B को मारा?
- क्या A का इरादा था?

ये facts in issue हैं।

2. Relevant Facts (संबंधित तथ्य)

वो तथ्य जो *facts in issue* को साबित करने में मदद करें।

उदाहरण

- A ने हत्या से पहले एक क्लब खरीदा, A और B के बीच झगड़ा हुआ (relevant facts हैं।)

Conclusion

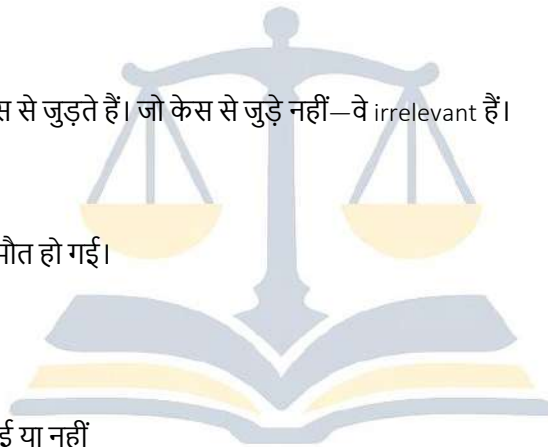
Court सिर्फ वही तथ्य सुनेगी जो केस से जुड़े हैं। जो केस से जुड़े नहीं—वे irrelevant हैं।

Example (a)

A ने B को क्लब से मारा और B की मौत हो गई।

Case में ये facts “in issue” होंगे:

1. A ने क्लब मारा या नहीं
2. A की मार से B की मौत हुई या नहीं
3. A का इरादा था या नहीं



Advocate Amit Arya

Section 4 — Same Transaction / Res Gestae (MOST Important)

Res Gestae = एक ही लेन-देन से जुड़े तथ्य जो घटना के आस-पास हुए — *तुरंत, लगभग उसी समय, उसी माहौल में*

Example

- B को गोली लगी → तुरंत भीड़ का चिल्लाना “A ने मारा!”
- थोड़ी देर पहले A और B की लड़ाई
- मौके पर A का भागना

☞ यह सब same transaction के हिस्से हैं → इसलिए relevant हैं।

- Court में सिर्फ वही तथ्य मानेंगे जो केस को प्रभावित करते हैं।
- मुख्य तथ्य = Facts in Issue
- मदद करने वाले तथ्य = Relevant Facts
- एक ही घटना से जुड़े facts = Res Gestae
- Electronic records भी document हैं
- Oral + documentary = दोनों evidence

SECTION 5 — Occasion, Cause, or Effect of Facts in Issue or Relevant Facts

जो facts घटना का कारण, परिणाम, अवसर या पृष्ठभूमि बनते हों, वे भी relevant हैं।

कब relevant माना जाएगा?

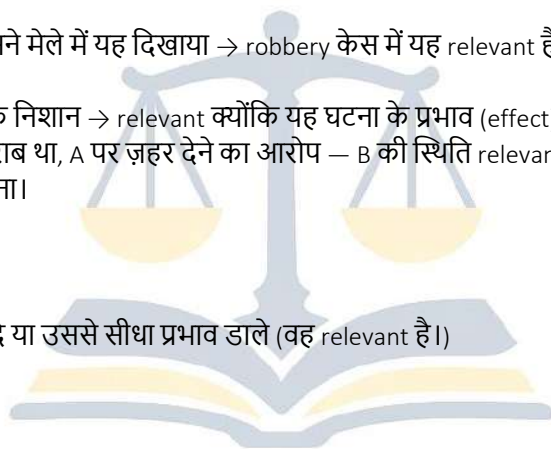
- fact ने घटना होने का मौका दिया
- fact घटना का immediate effect है
- fact ने परिस्थितियाँ तैयार कीं
- fact घटना की वजह (cause) है

Example

1. B के पास धन था और उसने मेले में यह दिखाया → robbery केस में यह relevant है क्योंकि यह robbery का मौका (occasion) बना।
2. हत्या के स्थान पर संघर्ष के निशान → relevant क्योंकि यह घटना के प्रभाव (effect) को दिखाते हैं।
3. B का स्वास्थ्य पहले से खराब था, A पर ज़हर देने का आरोप — B की स्थिति relevant है क्योंकि इससे जहर देने का अवसर (opportunity) बना।

Conclusion:

जो fact घटना को होने में योगदान दे या उससे सीधा प्रभाव डाले (वह relevant है।)



If you liked the sample, you can easily place the order for the ebook and books (printed with the same content you checked here)

All ebooks - <https://hindilawshorts.in/product-category/ebooks/>

All books - <https://hindilawshorts.in/product-category/books/>

Thank You

Customer Support – 24/7

WhatsApp – +91-8595054352